

सत्र 2

विचारों, अंतःकरण, धर्म या आस्था की आजादी (FORB) का परिचय

सत्र अवलोकन

FORB (FREEDOM OF THOUGHT, CONSCIENCE, RELIGION OR BELIEF) = विचारों, अंतः

करण, धर्म या आस्था की आजादी

सुविधा के लिए, विचारों की आजादी, अंतःकरण धर्म और आस्था को प्रायः अपेक्षाकृत छोटे नाम 'धर्म या आस्था की आजादी' या FORB के नाम से पुकारा जाता है। हम इस गाइड में इस नाम और संक्षिप्त रूप का बार-बार ज़िक्र करेंगे - लेकिन यह मत भूलिए कि विचार और अंतःकरण भी सुरक्षित रखे जाते हैं!

विचारों, अंतःकरण, धर्म या आस्था की आजादी का मानव अधिकार लगभग हर जगह विवादास्पद होता है। अधिकतर लोग अपनी आस्थाओं और इस बारे में अपने विचार कि दूसरों को कैसे सोचना और व्यवहार करना चाहिए - इन्हें सामान्य, सही और सच्चाई का रूप मानते हैं। जब तक हमारे व्यक्तिगत और सकारात्मक संबंध उन लोगों से नहीं बनाते हैं, जो हमसे भिन्न आस्थाएं और विचार रखते हैं, तब तक यह बहुत आसान हो जाता है कि हम उन्हें किसी न किसी रूप में हीन समझें, या फिर उन्हें अपनी सांस्कृतिक और नैतिक मान्यताओं, यहाँ तक कि राष्ट्रीय एकता और सुरक्षा के लिए भी एक खतरा मानने लगें। ऐसा अत्यंत धार्मिक तथा अत्यंत धर्मनिरपेक्ष समाज दोनों में हो सकता है।

मानव संस्कृति के किसी भी अन्य पहलू की तरह, धर्म और आस्था भी अपने भीतर अच्छाई और चुनौतियाँ, दोनों को समेटे हुए हैं। कभी-कभी आस्थाएं, परंपराएं, और उनसे जुड़े नेता एवं संस्थाएं समाज में गंभीर समस्याओं का कारण बन जाते हैं। लेकिन अक्सर धर्म और आस्था इस रूप में प्रकट होते हैं कि वे न केवल मानने वालों को सशक्त बनाते हैं, बल्कि व्यापक समुदाय के लिए भी कल्याणकारी सिद्ध होते हैं।

तो फिर, विचार, अंतःकरण, धर्म और आस्था के बारे में अंतर्राष्ट्रीय मानव अधिकार क्या कहते हैं? हमारे पास कौन-कौन से अधिकार होते हैं, और राज्य कब धर्म या आस्था के अभ्यास को सीमित कर सकता है?

यह सत्र धर्म या आस्था की आजादी (FORB) के अधिकार का परिचय देता है, और यह भी स्पष्ट करता है कि अधिकारी कब, कैसे और किन परिस्थितियों में इस अधिकार को सीमित कर सकते हैं। यह प्रतिभागियों को अधिकार के बारे में जानने और यह विचार करने का अवसर देता है कि यह उनके मूल्यों, दैनिक जीवन और समाज से किस प्रकार संबंधित है।



सीखने के उद्देश्य

यह सत्र अंतःकरण, धर्म, आस्था एवं विचारों की आजादी के मानव अधिकार और उसके महत्व के बारे में प्रतिभागियों का ज्ञान बढ़ाने पर केन्द्रित है।

इस सत्र के अंत तक प्रतिभागी निम्न में सक्षम होंगे:

- FORB के मर्म की व्याख्या करने में: भेदभाव, दबाव या हिंसा का सामना किए बिना धर्म या आस्था को चुनने/बदलने व उनका पालन करने का आपका अधिकार।
- समझाने में कि FORB किस प्रकार उनकी रोजमर्रा की जिंदगी से संबंधित है।
- इस अधिकार की सीमा की बुनियादी व्याख्या करने में: FORB का उपयोग कभी भी अन्य लोगों को हानि पहुंचाने के बहाने के तौर पर नहीं किया जा सकता है।

सत्र की अंतर्वस्तु और समय



आरंभिक अभ्यास: सब कुछ बताएं!

प्रतिभागियों को पिछले सत्र में सीखी गई बातों का स्मरण कराएं।

10 मिनट

कहानी एवं चर्चा का अभ्यास: एक समय की बात है

कहानी से प्रतिभागियों को यह विचार करने में सहायता मिलती है कि FORB से जिन चीजों का संरक्षण होता है वे उन्हें महत्वपूर्ण मानते हैं या नहीं।

45 मिनट

प्रस्तुति: धर्म या आस्था की आजादी का परिचय

यह इस पाठ्यक्रम की एक मुख्य प्रस्तुति है जिसमें यह बताया गया है कि FORB किन चीजों की रक्षा करता है और कब इन अधिकारों को सीमित किया जा सकता है।

15 मिनट

पूर्ण चर्चा: धर्म या आस्था की आजादी

पूर्ववर्ती इनपुट्स की अंतर्वस्तु पर चर्चा।

10 मिनट

चर्चा एवं विचार व्यक्त करने संबंधी अभ्यास: मेरी रोजमर्रा की जिंदगी में FORB

प्रतिभागियों को यह समझने में सहायता करता है कि वे अपने रोजमर्रा के जीवन में FORB का उपयोग कैसे करते हैं।

35 मिनट

अंतिम टिप्पणियां और चेंजमेकर कहानियाँ

पूरे पाठ्यक्रम में प्रतिभागियों को प्रेरित करने के लिए कहानियों को शामिल किया गया है।

5 मिनट

कुल समय

2 घंटे

तैयारी करें

पृष्ठ 15 पर दिए गए मार्गदर्शन, 'प्रत्येक सत्र की तैयारी कैसे करें' के अनुरूप सत्र की तैयारी करें। याद रखें - आपको अपने समूह की बेहतर समझ है! आपका स्वागत है कि आप सत्र के किसी भी हिस्से को अपनी समूह की ज़रूरतों के अनुसार अनुकूलित और संशोधित करें।

इस सत्र के लिए संसाधन

पृष्ठ 16 पर सूचीबद्ध प्रत्येक सत्र के लिए मानक संसाधनों के अतिरिक्त, इस सत्र को संचालित करने के लिए आपको निम्नलिखित संसाधनों की आवश्यकता होगी:

- एक सॉफ़्ट बॉल.
- सूप का एक पात्र एवं मानवीय मानवीय ज़रूरतें कार्ड जिनका उपयोग पिछले सत्र में हुआ था.
- हैंडआउट या फ्लिप चार्ट शीट जिन पर 'एक समय की बात है' अभ्यास पर सामूहिक चर्चा के लिए प्रश्न अंकित हों.
- हैंडआउट या फ्लिप चार्ट शीट जिन पर 'मेरी रोजमर्रा की जिंदगी में FORB' अभ्यास पर सामूहिक चर्चा के लिए प्रश्न अंकित हों.
- यदि आप पावरपॉइंट/फ़िल्म का उपयोग नहीं करना चाहते तो संभवतः आप निम्न सामग्री तैयार करना चाहेंगे:
 - एक बार की बात है: कहानी को दर्शाने वाले पोस्टर प्रिंट करें.
 - पावरपॉइंट स्लाइड्स के महत्वपूर्ण बिंदु दर्शाने वाली फ्लिप चार्ट शीट्स.
 - मेरी रोजमर्रा की जिंदगी में FORB अभ्यास: सत्र पावरपॉइंट के स्लाइड 47-59 का प्रिंटआउट.

इस सत्र के
सहायक संसाधन
यहाँ हैं.



वैकल्पिक अतिरिक्त - अपना आत्मविश्वास बढ़ाएं!

तैयारी के एक हिस्से के रूप में, क्यों न आप ये लघु फ़िल्में देखें ताकि आप धर्म या आस्था की आजादी के बारे में और अधिक जान सकें? इससे आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा और प्रश्नों का उत्तर देने की आपकी क्षमता भी. इस प्लेलिस्ट में 5-10 मिनट की आठ फ़िल्में हैं. यदि आपके पास सभी फ़िल्मों को देखने का समय न हो तो फ़िल्म क्रमांक 2 (चुनने की आजादी), 3 (अभ्यास करने की आजादी) और थोड़ी लंबी फ़िल्म क्रमांक 8 (अधिकारों की सीमाएं) को प्राथमिकता दें.

कक्ष तैयार करना

इस सत्र के लिए यह एक अच्छा विचार होगा कि प्रारंभ में कुर्सियां सामने की ओर मुंह करते हुए अर्धवृत्त में लगाई जाएं और बीच में काफी जगह खाली रखी जाये. समूह को एक स्थान से दूसरे स्थान तक आसानी से जाने की सुविधा होनी चाहिए. एक बड़ा कमरा, जिसमें मेजें न हों, सबसे बढ़िया होगा!



फ़िल्में



‘एक समय की बात है’

“एक समय की बात है” गतिविधि ने गहन चर्चाओं को जन्म दिया. इसने लोगों की सोच के नए द्वार खोल दिए. उन्होंने खुद अपने समुदायों की गहराई से पड़ताल शुरू की - लिंग से जुड़े सामाजिक नियमों से लेकर इस सवाल तक कि क्या स्थापित परंपराओं को चुनौती देना सही है.”

हम्माम हद्दाद, सुविधादाता, जॉर्डन

विस्तृत सत्र योजना

1. आरंभिक अभ्यास: सब कुछ बताएं 10 मिनट

विवरण

प्रतिभागी एक-दूसरे की ओर एक गेंद उछालेंगे, और गेंद को आगे फेंकने से पहले पिछले सत्र की कोई ऐसी बात कहेंगे, जो उन्हें याद हो।

उद्देश्य

यह अभ्यास, सत्र को एक मजेदार और पारस्परिक शुरुआत देता है। इसका लक्ष्य समूह के सदस्यों को वह सब कुछ याद करने में मदद करना है जो उन्होंने पिछले सत्र में सीखा, महसूस किया और सोचा था, और उन्हें जो याद है उसे एक-दूसरे से साझा करने में मदद करना है। यह समूह के नए सदस्यों को छूटा हुआ भाग कवर करने में भी मदद करता है।



पूर्ण अभ्यास

संसाधन

- एक सॉफ्ट बॉल.
- एक सूप पात्र जिसमें 'मानवीय ज़रूरतें कार्ड्स' (जिनका उपयोग पिछले सत्र में किया गया था) रखे हों.

अभ्यास का परिचय कैसे दें

'मानवीय ज़रूरतें कार्ड्स' वाले सूप पात्र को गोले के बीचोबीच रखें. सुनिश्चित करें कि धर्म या आस्था की आजादी से संबंधित कार्ड्स ढेर में सबसे ऊपर हों ताकि आप गेम के अंत में उन तक आसानी से पहुँच सकें.

सत्र में सभी का स्वागत करें और समझाएँ कि यह सत्र पिछली बैठक की एक त्वरित समीक्षा से शुरू होगा. समूह के सदस्यों को एक-दूसरे से पर्याप्त दूरी बनाए रखते हुए सूप पात्र के चारों ओर घेरा बनाकर खड़े होने के लिए कहें.

समझाएँ कि वे बिना किसी क्रम विशेष के एक-दूसरे की ओर बॉल फेंकेंगे. बॉल पकड़ने वाला व्यक्ति पिछले सत्र से उसे याद हो ऐसी किसी एक चीज़ के बारे में एक वाक्य कहेगा. वह कोई कहानी ऐसी कोई चीज़ हो सकती है जो उसने सीखी या उसे आया हुआ कोई विचार हो सकता है. साझा करने के बाद, उसे वह बॉल यूँ ही किसी अन्य सहभागी की ओर फेंकनी चाहिए, यह सुनिश्चित करते हुए कि हर किसी को बोलने का मौका मिले. जो भी व्यक्ति पिछले सत्र में उपस्थित नहीं था, वह बॉल उसकी ओर फेंके जाने पर, ज़ोर से 'सब कुछ बताएं' बोलेगा और फिर बॉल किसी और की ओर फेंकेगा.

अभ्यास का संचालन कैसे करें

पिछले सत्र से आपको याद कोई एक चीज़ कहकर और फिर बॉल किसी सहभागी की ओर फेंककर अभ्यास की शुरुआत खुद करें. सहभागियों के योगदानों के जवाब में हौसला बढ़ाने वाले शब्द कहें, जैसे 'धन्यवाद' और 'शानदार'! अभ्यास तब तक जारी रखें जब तक हर व्यक्ति एक-एक बार बॉल न पकड़ ले.

अभ्यास का समापन कैसे करें

समूह को इतना कुछ याद रखने के लिए बधाई दें और जो भी बिंदु उनसे छूट गए हों उन्हें बहुत ही संक्षेप में कहें. उसके बाद बीचोबीच रखे पात्र तक जाकर धर्म या आस्था की आजादी से संबंधित तीन कार्ड्स निकाल लें. कार्ड्स ऊपर करके थामें और सबको बताएँ कि इस सत्र में हम विचारों की आजादी, अंतःकरण, धर्म और आस्था की आजादी के अधिकार के बारे में जानेंगे.

2. कहानी एवं चर्चा का अभ्यास: एक समय की बात है 45 मिनट

विवरण

यह अभ्यास 'बाँसुरी और नगाड़े के गीत' नामक कहानी पर आधारित है। इसके चार भाग हैं: कहानी सुनाना - पूर्ण चर्चा - सामूहिक चर्चा - फ्रीडबैक/समापन।

उद्देश्य

इस अभ्यास का उद्देश्य समूह की इस बात पर विचार करने में सहायता करना है कि वे FORB से संरक्षित चीजों को कितना मूल्यवान मानते हैं और क्या/कैसे उनकी परंपराओं और संस्कृति में इन चीजों को महत्व दिया जाता है। यह कहानी धर्म या आस्था की आजादी से संबंधित सात महत्वपूर्ण शब्दों की व्याख्या करती है: विचार, विश्वास, संबद्धता, अभ्यास, प्रश्न, बदलाव एवं इंकार।

संसाधन

- कहानी की स्क्रिप्ट (पृष्ठ 56 या यह लिंक देखें)।
- सत्र पावरपॉइंट की स्लाइड्स 3-23 जो कहानी का चित्रण करती हैं या उन्हीं चित्रणों वाले पोस्टरों का प्रिंटआउट भी। (यदि आवश्यक हो तो इनके बिना अभ्यास किया जा सकता है।)
- 'एक समय की बात है' समूह कार्य प्रश्नों का हैंडआउट (हर 3-4 प्रतिभागियों पर एक) या पूर्व में तैयार फ्लिप चार्ट शीट, जिस पर समूह कार्य प्रश्न पहले से लिखे हों, प्रतिभागियों को दें।

पूर्व तैयारी

कहानी को पढ़ने या अपने शब्दों में सुनाने का अभ्यास करें, ताकि आप रोचक ढंग से कहानी सुना सकें और आपको यह ठीक से पता हो कि कौन-सी पावरपॉइंट स्लाइड या पोस्टर कब दिखाया जाना है।

यदि आप पोस्टरों का उपयोग कर रहे हैं, तो उन्हें पहले से ही किसी दीवार पर क्रम में लगा दें। इससे, सही समय पर सही पोस्टर की ओर इशारा करना आसान हो जाएगा।

अभ्यास का संचालन कैसे करें 35 मिनट

- **कहानी सुनाना** (15 मिनट)
बताएं कि आप एक कहानी सुनाने जा रहे हैं, जिस पर सभी के साथ एवं छोटे समूहों में भी चर्चा होगी। कहानी सुनाएँ और पावरपॉइंट स्लाइड्स/पोस्टर दिखाएँ। उसे ढेर सारे एहसास के साथ पढ़कर सुनाने की कोशिश करें!
- **संक्षिप्त पूर्ण चर्चा** (5 मिनट)
लोगों से कहें कि वे इन प्रश्नों के उत्तर देने के लिए हाथ खड़े करें - हर प्रश्न के एक या दो उत्तर ही लें।
 - आपके अनुसार इस कहानी का संदेश या सीख क्या है?
 - क्या विभिन्न पात्रों का कोई व्यवहार आपको सराहनीय लगा?

(यदि लोगों को नगाड़ों और बाँसुरियों के महत्वपूर्ण होने के विचार पर भरोसा करने में मुश्किल हो तो उन्हें समझाएँ कि ये दोनों चीज़ें गाँव वालों की आस्था पद्धति और धार्मिक प्रथाओं को दर्शाती हैं।)

- **लघु सामूहिक चर्चा** (15 मिनट)
सहभागियों को 3-4 के समूहों में बाँटें और हर समूह को समूह कार्य प्रश्नों की एक-एक प्रति दें। सात महत्वपूर्ण शब्दों वाली पावरपॉइंट स्लाइड 24 दिखाएँ या उन शब्दों वाली कोई फ्लिप चार्ट शीट दिखाएँ। समझाएँ कि ये सारे शब्द कहानी से किसी-न-किसी तरह जुड़े हुए हैं। (महत्वपूर्ण शब्द: विचार, विश्वास, संबद्धता, अभ्यास, प्रश्न, बदलाव एवं इंकार।)



कहानी

कहानी, पोस्टर
और हैंडआउट
यहाँ हैं।

सुझाव! समय प्रबंधन के संबंध में सजग रहें ताकि छोटे समूहों में की जाने वाली सामूहिक चर्चा के लिए पर्याप्त समय बचा रहे।

- समूहों को निम्न प्रश्नों पर चर्चा करने को कहें:
 - कहानी के घटनाक्रम और इन शब्दों के बीच क्या संबंध है और आपको इस कहानी के पात्रों के बारे में क्या प्रशंसनीय लगा और क्या पसंद नहीं आया?
 - क्या आपको अपनी संस्कृति या आस्था की परंपरा से जुड़ी हुई ऐसी कहानियां याद आती हैं जिनमें विचार, विश्वास, संबद्धता, अभ्यास, प्रश्न, बदलाव एवं इंकार करने वाले व्यक्तियों के बारे में सकारात्मक बातें कही गई हों?
 - क्या जब लोगों को ये चीज़ें करने की अनुमति दी जाती है तो समुदाय को लाभ होता है या यह समुदाय के लिए एक खतरा बन जाता है? या दोनों?
 - क्या ऐसा करने वाले व्यक्तियों के बिना सकारात्मक बदलाव संभव है?

अभ्यास का समापन कैसे करें 10 मिनट

प्रत्येक समूह से एक ऐसी बात का जिक्र करने के लिए कहें जो उनकी चर्चा के दौरान उन्हें प्रेरक, महत्वपूर्ण या कठिन लगी।

समापन मोटे तौर पर निम्नानुसार बातें कहकर करें:

- हम इस कहानी के माध्यम से धर्म या आस्था की आजादी के मानव अधिकार से जुड़े मूल्यों एवं अधिकारों के बारे में जानना प्रारंभ कर रहे हैं।
- ये मूल्य और अधिकार सरल-साधारण या अविवादित नहीं हैं। वे हमें थोड़ी चिंता महसूस करा सकते हैं। जैसे, शायद आप सोचें कि:
 - यदि लोगों को अपने बारे में सोचने और वे अपना जीवन कैसे बिताएं यह तय करने की आजादी होगी तो क्या यह हमारी संस्कृति, परंपराओं और आस्थाओं के लिए खतरा नहीं होगा?
 - इस बात की क्या गारंटी है कि लोग इन स्वतंत्रताओं का उपयोग भलाई के लिए करेंगे? ऐसे लोग भी तो होते हैं जिनके विचार या इरादे बुरे होते हैं। ज़ियाना चाहती थी कि उसके दोस्तों की ज़िंदगी बेहतर हो, लेकिन हर कोई तो ज़ियाना की तरह नहीं होता न। कई बार लोग अपनी आस्थाओं के नाम पर ऐसे कार्यों को सही ठहराते हैं जो अन्य लोगों के लिए हानिकारक हों - जैसे चाय की दुकान वाला, जिसने ओनो को परेशान किया और एक गिरोह बनाकर सभी का स्वागत है के बोर्डों को उतार दिया।
- ये वे महत्वपूर्ण प्रश्न हैं जिन पर हम आगे भी विचार करते रहेंगे! दूसरी ओर, सकारात्मक बदलाव तब नहीं हो सकते जब तक लोगों को विचार और विश्वास करने और उन बातों पर सवाल उठाने की छूट नहीं दी जाती जिन्हें वे गलत मानते हैं - जैसे मार्केटप्लेस में भेदभाव होना।
- तो फिर लोगों को कौन-से अधिकार दिए जाने चाहिए और सरकार को कब उन्हें सीमित करने का अधिकार होना चाहिए? अभी हम यह सीखने जा रहे हैं कि अंतरराष्ट्रीय मानव अधिकार कानून इस बारे में क्या कहते हैं।

3. प्रस्तुति: धर्म या आस्था की आजादी का परिचय 15 मिनट

विवरण व उद्देश्य

यह प्रस्तुतिकरण धर्म या आस्था की आजादी के अधिकार का परिचय देता है और यह भी बताता है कि इसे कब सीमित किया जा सकता है। यह पाठ्यक्रम का एक महत्वपूर्ण ज्ञान आधार बनेगी।

संसाधन

- प्रस्तुति की स्क्रिप्ट इस गाइड के पेज 60 पर है।
- यह स्क्रिप्ट सत्र की पावरपॉइंट प्रस्तुति की स्लाइड 25-46 से मैच करता है और इन स्लाइड्स हेतु वक्ता की टिप्पणियों में शामिल है।
- इस स्क्रिप्ट का संपादन-योग्य संस्करण, सत्र के लिए दिए गए संसाधनों में उपलब्ध है।



प्रस्तुति

पूर्व तैयारी

पृष्ठ 15 पर दिए गए मार्गदर्शन, 'प्रत्येक सत्र की तैयारी कैसे करें' के अनुरूप तैयारी करें। स्क्रिप्ट और पावरपॉइंट स्लाइडों को पढ़ें और अगर चाहें तो उन्हें अपनी आवश्यकताओं के अनुरूप बनाने के लिए उनमें बदलाव करें (या स्लाइडों के महत्वपूर्ण बिन्दुओं की फ्लिप चार्ट शीट बनाएं) और स्लाइडों/फ्लिप चार्ट शीट के साथ प्रस्तुतिकरण देने का अभ्यास करें।

सुझाव! लोगों से कहें कि वे आपका प्रस्तुतिकरण पूर्ण होने तक प्रश्न/टिप्पणियाँ न करें।

टिप्पणी

इस प्रस्तुतिकरण के अवधि में कुछ मिनट बढ़ाकर आप यह जानकारी दे सकते हैं कि आपके देश में FORB संबंधी सबसे महत्वपूर्ण कानून क्या हैं और वे अंतर्राष्ट्रीय मानदंडों के कितने अनुरूप हैं। आपको यह जानकारी ढूँढने में मदद करने वाली सलाह और लिंक्स सुविधादाता गाइड के पेज 153-154 पर हैं।

बहुत अधिक समय तक न बोलें, क्योंकि लोग लंबे समय तक ध्यान केंद्रित नहीं कर पाते हैं! आवश्यक होने पर, प्रस्तुति के बाद किसी ऊर्जावान का उपयोग करें। अन्य गतिविधियों के लिए समय कम करें ताकि इसे संभव बनाया जा सके (जैसे कि आरंभिक अभ्यास को छोटा करें) या सत्र को लंबा करें।

4. पूर्ण चर्चा: धर्म या आस्था की आजादी 10 मिनट

विवरण व उद्देश्य

पिछले प्रस्तुतीकरण पर चर्चा से प्रतिभागियों को इस प्रस्तुतीकरण की बातों को समझना आसान होगा।

चर्चा का संचालन कैसे करें

इनपुट पर सामान्य टिप्पणियाँ और प्रश्न माँगें और फिर ये या इन जैसे प्रश्न पूछें:

- जिन अधिकारों की चर्चा की गई उनमें से आपके लिए कौन-से सबसे महत्वपूर्ण हैं?
- क्या कुछ ऐसा था जिसे स्वीकार करना आपको मुश्किल लगा या कुछ ऐसा जो आपको भ्रामक लगा?

10 मिनटों बाद पूर्ण चर्चा समाप्त कर दें। समझाएँ कि समूह अब एक अभ्यास के ज़रिए मुद्दों पर चर्चा करना और उनकी पड़ताल करना जारी रखेगा।

याद रखें: आप एक सुविधादाता हैं, विशेषज्ञ नहीं! अगर सहभागियों का कोई ऐसा प्रश्न हो जिसका उत्तर देना आपको आता हो तो उत्तर दें, लेकिन उत्तर जानने का दबाव महसूस न करें! इस बात पर ज़ोर दें कि यह मिलजुलकर पड़ताल करने की प्रक्रिया है और आपकी भूमिका बातचीत को संभव बनाने की है, विशेषज्ञ होने की नहीं।



समग्र चर्चा

सुझाव! धर्म या आस्था की आजादी से जुड़े मुश्किल सवालों का जवाब देने में आपकी सहायता हेतु मार्गदर्शिका पृष्ठ 21-28 पर दी गई है।

5. पूर्ण अभ्यास: मेरी रोजमर्रा की जिंदगी में FORB 30 मिनट

विवरण

यह एक विचार करें-जोड़ी बनाएं-साझा करें अभ्यास है जिसमें लोग यह बताते हैं कि वे अपने रोजमर्रा के जीवन में किस प्रकार विचार, विश्वास, संबद्धता, अभ्यास, प्रश्न, बदलाव एवं इंकार करते हैं।

उद्देश्य

इस अभ्यास का लक्ष्य लोगों को यह पहचानने में मदद देना है कि हम हमारे दैनिक जीवन में विचारों की आजादी, अंतःकरण, धर्म और आस्था की आजादी के हमारे अधिकार का उपयोग करते हैं। इससे यह स्पष्ट करने में मदद मिलती है कि यह अधिकार हमारे लिए मात्र सैद्धांतिक रूप से ही नहीं बल्कि वास्तविकता में भी महत्वपूर्ण है।

संसाधन और पूर्व तैयारी

- सत्र की पावरपॉइंट प्रस्तुति की स्लाइड्स 48 से 60 तक या इन स्लाइड्स के प्रिंटआउट, जो सत्र से पहले दीवार पर चिपकाए गए हों।
- हर 3-4 प्रतिभागियों के लिए समूह कार्य प्रश्नों की एक प्रति या पूर्व से तैयार फ्लिप चार्ट शीट (शीट्स), जिन पर समूह कार्य प्रश्न लिखे हों।



पूर्ण अभ्यास

अभ्यास का परिचय कैसे दें 4 मिनट

सभी से कहें कि वे जोड़ियाँ बनाकर फैल जाएँ. निम्न बातें समझाएँ:

अब हम इस बात पर विचार-मंथन करने जा रहे हैं कि हमारे दैनिक जीवन में हमारे लिए FORB का क्या मतलब है. सबसे पहले, हर व्यक्ति मन-ही-मन में सोचेगा. उसके बाद हम अपनी जोड़ियों में कुछ विचार साझा करेंगे, और उसके बाद लौटकर अपने विचारों पर चर्चा करेंगे.

निम्न पाठ्य पढ़कर सुनाएँ (या इस जैसा कुछ कहें). पढ़ने के दौरान पावरपॉइंट स्लाइड्स 47-59 या इनके प्रिंट आउट की ओर इंगित करें.

“अपने जीवन के एक आम दिन के बारे में सोचें. आप अपने विचारों, आस्थाओं, प्रश्नों और धार्मिक या गैर-धार्मिक पहचान की भावना को कब और कैसे व्यक्त करते हैं? यह निम्नलिखित हो सकता है:

- आप क्या खाते हैं और क्या नहीं खाते हैं,
- आप क्या पहनते हैं और क्या नहीं पहनते हैं,
- जीवन के महत्वपूर्ण मौकों पर आपके द्वारा की जाने वाली प्रार्थनाएँ, निभाई जाने वाली रस्में और आयोजित किये जाने वाले समारोह,
- आप जो पढ़ते हैं,
- आपकी अपने परिवार के सदस्यों, मित्रों या सहकर्मियों से की जाने वाली बातचीत और आप अपने बच्चों का लालन-पालन कैसे करते हैं या
- आप अपने समुदाय की सेवा कैसे करते हैं या आपको समाज के जो मुद्दे महत्वपूर्ण लगते हैं उनसे आप किस प्रकार जुड़ते हैं.”

अभ्यास का संचालन कैसे करें 30 मिनट

सोचें! (5 मिनट)

हर किसी से कहें कि वह किसी आम दिन के बारे में पाँच मिनट मन-ही-मन में सोचें. वे एक आम दिन में कब और कैसे अपने विचार, आस्थाएँ, प्रश्न और धार्मिक या गैर-धार्मिक पहचान/संबद्धता को अभिव्यक्त करते हैं?

जोड़ियाँ बनाएँ (10 मिनट)

प्रतिभागियों से कहें कि वे अपने विचार अपने जोड़ीदार से साझा करें और इनमें से उन प्रश्नों पर विचार-विमर्श करें जिन पर बोलना उन्हें सुविधाजनक लगता हो:

- अपना एक ऐसा अनुभव साझा करें जब आपने अपने विचार दूसरों को बताए या किसी बात पर सवाल उठाया. ऐसा करने पर क्या हुआ और आपने कैसा महसूस किया?
- किसी ऐसे समय की कहानी साझा करें जब आप अपने विचार साझा नहीं कर पाए, किसी गलत चीज़ पर सवाल नहीं उठा सके, या अपनी पहचान के साथ खुले नहीं रह सके. यह आपको कैसा महसूस हुआ?
- क्या आपका अपने दैनिक जीवन में अपने विचारों और अपनी पहचान को व्यक्त करने में सक्षम होना महत्वपूर्ण है? क्या उन विचारों या प्रथाओं जिन्हें आप गलत मानते हैं, पर प्रश्न उठाने में सक्षम होना महत्वपूर्ण है?
- अगर आपको अपनी आस्थाओं के बजाय दूसरों के विचारों और विश्वासों के आधार पर जीने के लिए मजबूर किया जाए, तो आपको कैसा महसूस होगा?

साझा करें (15 मिनट)

लोगों से समग्र चर्चा में लौटने को कहें. हम दो-दो की जोड़ियों में जिन प्रश्नों पर अपने विचार व्यक्त कर रहे थे, उन सबका संबंध निम्न प्रश्नों से है:

- क्या विचारों की आजादी, अंतःकरण, धर्म एवं आस्था की आजादी से संरक्षित अधिकार हमारे लिए महत्वपूर्ण हैं?
- जब हमें इनसे वंचित कर दिया जाता है तब हम कैसा महसूस करते हैं?

सभी से पूछें कि क्या उनमें से कोई दो-दो की जोड़ी में इस संबंध में हुई चर्चा के आधार पर अपने विचार, भावनाएँ या अनुभव साझा करना चाहेगा. इन्हें साझा करना स्वैच्छिक होना चाहिए!

कुछ समय बाद, समूह से पूछें कि क्या हमारे साझा मानव स्वभाव का अर्थ यह है कि हममें से प्रत्येक की विचार-विश्वास-संबद्धता-अभ्यास-प्रश्न-बदलाव एवं इंकार करने के अधिकार के संबंध में एक-सी मानवीय ज़रूरतें हैं? क्या ये अधिकार सभी धर्मों या आस्थाओं के लोगों के लिए महत्वपूर्ण हैं?

सुझाव! यदि बातचीत शुरू न हो पाए तो आप अपने जीवन में FORB के संबंध में अपने विचार प्रस्तुत करने के लिए तैयार रहें.

अभ्यास का समापन कैसे करें 1 मिनट

अभ्यास के अंत में सभी को बातचीत में अपने विचार व्यक्त करने एवं जुड़ाव के लिए धन्यवाद दें.

6. अंतिम टिप्पणियां और चेंजमेकर कहानियां 5 मिनट

विवरण

इस लघु वार्ता के साथ सत्र समाप्त होगा, जो बदलाव लाने की बात को एक साधारण व्यक्ति द्वारा अपने FORB अधिकारों के लिए खड़े होने की कहानी से जोड़ती है और प्रतिभागियों को बताती है कि आगे के सत्रों में वे क्या अपेक्षा कर सकते हैं.

क्या कहें

निम्न बिंदुओं पर चर्चा करें. यदि संभव हो, तो पीटर की कहानी प्रस्तुत करने के लिए सत्र पावरपॉइंट की स्लाइड्स 61-63 का उपयोग करें.

- आज हमने धर्म या आस्था की आजादी के अधिकार का अन्वेषण किया और यह जाना कि अंतर्राष्ट्रीय कानूनों के अनुसार हमारे और सभी लोगों के क्या अधिकार हैं.
- यह एक काफ़ी पेचीदा मानव अधिकार है और ऐसी चीज़ें हो सकती हैं जिन्हें हम समझते न हों या जिन पर हम सहमत न हों. लेकिन मुझे यकीन है कि ऐसी चीज़ें भी हैं, जिन्हें हम समझते हैं और जिन पर हम सहमत हैं. चेंजमेकरों हेतु शुरुआत के लिए वह एक अच्छी जगह है!
- हमारे जैसे सामान्य लोग अपने समुदाय की समस्याओं के सन्दर्भ में बदलाव ला सकते हैं.
- पृष्ठ 64 पर दी गई पीटर की कहानी पढ़ें (जो इस सत्र के डाउनलोड करने योग्य संसाधनों में भी शामिल है).
- हमारे अगले सत्र में हम पहचान, विशेषाधिकार और प्रतिकूलता के मुद्दों की पड़ताल में थोड़ा समय बिताएँगे. और उसके बाद आने वाले सत्रों में हम धर्म या आस्था की आजादी के अधिकार के उल्लंघनों के बारे में और जानेंगे तथा यह जानेंगे कि हम किन-किन तरीकों से बदलाव ला सकते हैं.



संक्षिप्त वार्ता